

समाचार वाणी

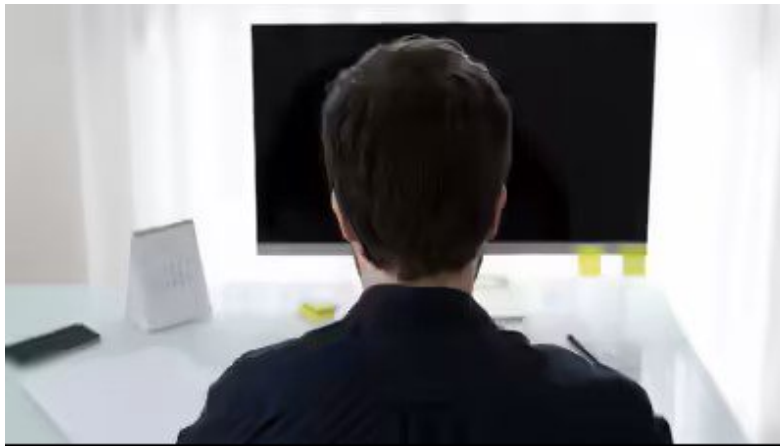
खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

₹5000 महीने से 48 लाख तक : बेंगलुरु के टेक इंजीनियर की संघर्ष और सफलता की कहानी

Publisher

Published on 18 Oct 2025



बेंगलुरु के एक टेक इंजीनियर की कहानी यह साबित करती है कि यदि आपके अंदर सीखने की लगन है और चुनौतियों का सामना डटकर किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। यह कहानी उन लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जो आर्थिक कठिनाइयों और सीमित संसाधनों के बावजूद अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं।

इस इंजीनियर का नाम है राहुल शर्मा। वह एक मध्यम वर्गीय परिवार से ताल्लुक रखते हैं। बचपन में ही परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी। पिता के अचानक निधन और घर की जिम्मेदारियों के चलते राहुल की पढ़ाई और करियर चुनौतियों से भरा रहा। शुरू में उनकी आमदनी मात्र ₹5000 महीने थी, और यही रकम उनके लिए रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त थी।

हालांकि, राहुल ने अपनी कठिन परिस्थितियों को कभी हतोत्साहित नहीं होने दिया। उन्होंने तय किया कि चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों, वह अपने सपनों को पूरा करेंगे। उन्होंने पॉलिटेक्निक में दाखिला लिया, क्योंकि वहां हॉस्टल की सुविधा मुफ्त थी। यही उनके करियर की शुरुआत थी, जिसने उन्हें आगे बढ़ने की राह दिखाई।

राहुल की मां ने उनके संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं की परवाह किए बिना राहुल की पढ़ाई और करियर के लिए पूरी मेहनत की। राहुल कहते हैं, “अगर मेरी मां ने वह त्याग नहीं किया होता, तो मैं आज यहां तक नहीं पहुंच पाता। उनका समर्पण और विश्वास मेरे लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहा है।”

पॉलिटेक्निक में रहते हुए राहुल ने हर दिन तकनीकी ज्ञान और कौशल बढ़ाने में समय लगाया। उन्होंने प्रोजेक्ट्स, ऑनलाइन कोर्सेस और इंटरनशिप के जरिए अपने अनुभव और क्षमताओं को निखारा। धीरे-धीरे उनकी मेहनत रंग लाने लगी और उन्हें क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर की तकनीकी प्रतियोगिताओं में पुरस्कार भी मिलने लगे।

उनकी लगन और मेहनत का परिणाम तब देखने को मिला जब उन्होंने अपने पुराने कंपनी में इंटरव्यू दिया। इस कंपनी ने उन्हें शुरू

में मात्र ₹5000 महीने का पैकेज दिया था। आज वही कंपनी राहुल को **₹48 लाख सालाना का पैकेज** देने के लिए तैयार है। राहुल ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाया और अपने सपनों को साकार किया।

राहुल की कहानी यह भी सिखाती है कि शिक्षा और मेहनत के साथ सही दिशा में प्रयास करने से कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती। आज राहुल सिर्फ अपने परिवार का गर्व नहीं हैं, बल्कि उनके साथ पढ़ने वाले और आसपास के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुके हैं।

उनकी सफलता ने यह साबित कर दिया है कि गरीबी और सीमित संसाधन कभी भी किसी की क्षमता को रोक नहीं सकते। यदि व्यक्ति में सीखने की लगन, आत्मविश्वास और धैर्य है तो वह किसी भी मुश्किल परिस्थिति में भी सफलता हासिल कर सकता है। राहुल की कहानी युवाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन चुकी है, जो अपने सपनों को पाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

राहुल ने आगे यह भी कहा कि सफलता सिर्फ पैसों में नहीं बल्कि सीखने और आगे बढ़ने के अवसरों में है। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि वे कभी भी अपनी परिस्थितियों से हतोत्साहित न हों और हमेशा अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखें।

आज राहुल की कहानी सिर्फ एक व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि यह उन सभी परिवारों के लिए संदेश है, जिन्होंने अपने बच्चों की सफलता के लिए त्याग और समर्पण किया। यह कहानी यह भी दर्शाती है कि देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस सही अवसर और मेहनत की जरूरत है।

राहुल की सफलता की कहानी न केवल युवाओं को प्रेरित करती है, बल्कि यह दिखाती है कि अगर आपके अंदर सीखने और आगे बढ़ने की इच्छा है, तो कोई भी बाधा आपको रोक नहीं सकती।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.